समुद्गः, -कः ; (3) सम्पुटः, -कः. II. An enclosed space with seats in a theatre : *कोष्ठः *or* निभृतकोष्ठः. III. The driver's seat on a carriage ; सूतासनम् (?). IV. A tree ; वृक्षविशेषः. v. A blow : q.v. : मुष्टिप्रहारः. VI. A present: q.v.

Box (v.i.) : (1) मल्लयुद्धं करोति ; (2) मुष्टीमुष्टि प्रहरति (हृ, c. 1) *or* युध्यते (युध्, c. 4).

Box (v.t.) : मुष्टिना प्रहरति (हृ, c. 1) *or* हन्ति (हन्, c. 2).

Boxer : (1) मल्लयोद्धा ; (2) मल्लः ; (3) झल्लः (rare).

Boxing (subs.) : मल्लयुद्धम् (also = b. match.).

Boxing-day ; *कृष्टस्य जन्मोत्तरदिनं यदा पारितोषिकाणींलण्डनदेशे प्रदीयन्ते.

Boy : (1) बालः ; (2) बालकः ; (3) शिशुः ; (4) कुमारः ; (5) दारकः (=an infant) ; (6) माणवकः (spe. in contempt.). *From a boy* बाल्यात् प्रभृति.

Boyhood : (1) बाल्यम् ; (2) शैशवम् ; (3) कौमारम् ; (4) शिशुत्वम् (rare).

Boyish : बालिशः (शा, शं) : v. Childish. *b. nature* : बालभावः.

Brace (subs.) : I. A support : *आलम्ब. II. A cincture or bandage : q.v. III. In printing : "}" 'इत्याकारः संयोगचिह्नविशेषः IV. A pair, a couple ; q.v. V. A strap, girth ; q.v. : चर्मबन्धः (?). VI. A rope : वायुवसनदण्डचालनरज्जुः.

Brace (v.t.) : I. To prop, support : q.v. II. To tighten, strengthen : q.v. III. To turn the yards of a ship : (1) सञ्चालयति (c. of चल्) ; (2) परावर्तयति (c. of वृत्).

Bracelet : (1) अङ्गदम् ; (2) कङ्कणम् ; (3) केयूरम् ; (4) वलय (mn.).

Bracket (subs.) : I. A support : (1) निर्यूहः ; (2) नागदन्तः. II. A mark in printing : *अर्धचन्द्रद्वयम्, चिह्नविशेषः.

Bracket (v.t.) : *अर्धचन्द्रद्वयेन चिह्नयति (चिह्न्, c. 10).

Brackish : (1) ईषल्लवणः (णा, णं) ; (2) comp. with क्षार-, *b. water* क्षारजलम् (?).

Brad : कीलविशेषः. B.-awl वेधनिका : v. Gimlet.

Brag ; विकत्थते (कत्थ्, c. 1) : To boast.

Braggart, braggadocio : विकत्थी : v. Boaster.

Bragging (adj.) : विकत्थिन् (f. नी) : v. Boasting.

Bragging (subs.) : विकत्थनम् : v. Boasting.

Braggingly : (1) साहङ्कारम् ; (2) सविकत्थम् : v. Boastingly.

Brahmin : (1) ब्राह्मणः ; (2) विप्रः ; (3) द्विजः. *a false B.* : (1) ब्राह्मणब्रुवः ; (2) ब्रह्मबन्धुः. The B. s add शर्मन् (m.) after their names.

Braid (v.t.) . I. Of hair : (1) कवरीं *or* केशपाशं बध्नाति (बन्ध्, c. 9) ; (2) केशान् संग्रथनाति (ग्रन्थ्, c. 9). II. To weave, entwine : q.v.

Braid (subs.) : I. Of hair : (1) कवरी ; (2) धम्मिल्लः (b. ed and ornamented hair ; (3) वेणी (unornamented b. ed hair, as worn by widows, etc.) II. A knot : q.v.

Brain : I. Lit. : (1) मस्तिष्कम् ; (2) मस्तुलुङ्गम् ; (3) गोर्दम् (rare). II. Intellect, sense : q.v. : बुद्धिः.

Brain (v.t.) : I. मस्तकं चूर्णयति, etc. II. Fig. : To ruin, destroy.

Brainless : निर्बुद्धि (mfn.) : Senseless, stupid.

Brake : I. For railway cars. : *गतिस्तम्भयन्त्रम्. II. A cart for breaking in horses : *अश्वदमनयानम्. III. A snaffle : q.v. IV. A thicket : q.v.

Bramble : कण्टकिगुल्मः, K. b.

Brambly : (1) कण्टकिगुल्मावृतः (ता, तं) ; (2) कण्टकिन् (f. नी) (=thorn).

Bran : (1) तुषः ; (2) बुषम्.

Branch (subs.) : शाखा (in all the senses of the English word). *B. of a b.* (1) प्रशाखा ; (2) प्रतिशाखा, V. p. ; (3) अवान्तरशाखा, V. p. com.

Branch (v.i.) : I. Lit. : शाखां निर्मुञ्चति (मुच्, c. 6.). II. To divide into parts : q.v. : *the race b. ed into eight parts* भिन्नोऽष्टधा वंशः. R. xvi. 3.

Branch off : Ph. *there again b. es off* *तत्रास्यापरा शाखा निर्गता.

Branch out : Ph. *b. ed out into a long discourse* सविस्तरं वक्तुमारेभे.

Branching, branchy adj.) : (1) शाखिन् (f. नी) (=having branches) ; (2) शाखामयः (यी, यं) (=full of b. es.) ; (3) शाख्यः (ख्या, ख्यं) (rare).

Brand (subj.) : I. Fire-brand : q.v. : अलातम्.